भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3070
09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

महिलाओं में रक्ताल्पता

3070. श्री अरविंद धर्मापुरी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश, विशेषकर तेलंगाना में महिलाओं की आबादी में रक्ताल्पता के वर्तमान स्तरों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा देश में लौह तत्व की कमी को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(ग) क्या सरकार विशेषकर किशोरियों में इष्टतम पोषण स्तर सुनिश्चित करने के लिए कोई विशिष्ट कार्यनीति अपनाने की योजना बना रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019-21) के अनुसार, तेलंगाना राज्य सहित देश में 15-49 वर्ष की आयु की महिलाओं में रक्ताल्पता की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार व्यापकता अनुलग्नक में दी गई है।

(ख) से (घ): सरकार जीवन चक्र दृष्टिकोण में बच्चों, किशोरों और महिलाओं में रक्ताल्पता के प्रसार को कम करने के लिए रक्ताल्पता मुक्त भारत (एएमबी) रणनीति लागू करती है। 6X6X6 रणनीति का लक्ष्य **छह** लाभार्थी आयु समूहों - 6-59 महीने के बच्चों, 5-9 वर्ष के बच्चों, 10-19 वर्ष के किशोरों, प्रजनन आयु की महिलाओं (15-49 वर्ष), गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली महिलाओं में छह हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के माध्यम से रक्ताल्पता को कम करना है - रोगनिरोधी आयरन फोलिक एसिड अनुपूरण; आवधिक कृमि मुक्ति; वर्ष भर चलने वाला व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान; डिजिटल इनवेसिव हीमोग्लोबिनोमीटर और परिचर्या उपचार का उपयोग करके रक्ताल्पता की जांच; जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आयरन फोलिक एसिड युक्त खाद्य पदार्थों का प्रावधान; **छह संस्थागत तंत्रों** के माध्यम से स्थानिक क्षेत्रों में रक्ताल्पता के गैर-पोषण संबंधी कारणों का समाधान - अंतर-मंत्रालयी

समन्वय; अन्य मंत्रालयों के साथ अभिसरण; आपूर्ति श्रृंखला और संभार-तंत्र को सुदृढ़ करना शामिल है।

रोगनिरोधी आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) अनुपूरण के तहत, 6-59 महीने की आयु के बच्चों को आईएफए सिरप की 1 मिलीलीटर खुराक सप्ताह में दो बार दी जाती है, 5-9 वर्ष की आयु के बच्चों को सप्ताह में एक बार 1 आईएफए गुलाबी गोली दी जाती है, 10-19 वर्ष की आयु के किशोरों को सप्ताह में एक बार 1 आईएफए नीली गोली दी जाती है, प्रजनन आयु की महिलाओं को सप्ताह में एक बार 1 आईएफए लाल गोली दी जाती है, तथा गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 180 आईएफए लाल गोलियां दी जाती हैं, जिन्हें दूसरी तिमाही से लेकर प्रसव तक और प्रसव के बाद छह महीने तक प्रतिदिन लेना होती है। रक्ताल्पता से पीड़ित लोगों का प्रबंधन रक्ताल्पता मुक्त भारत परिचालन दिशानिर्देशों में उल्लिखित रक्ताल्पता प्रबंधन प्रोटोकॉल के अनुसार किया जाता है।

इसके अलावा, सरकार बेहतर पोषण सामग्री और वितरण के माध्यम से कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए मिशन पोषण 2.0 का कार्यान्वयन कर रही है। पोषक तत्वों के सेवन में अंतर को पूरा करने के लिए बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष), गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर राज्यों में 14 से 18 वर्ष) को पूरक पोषण प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा, सरकार संवेदनशील आबादी में रक्ताल्पता और सूक्ष्म पोषक कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में टीपीडीएस (लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली), प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) योजना और एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) के माध्यम से फोर्टिफाइड चावल (लौह, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12 से समृद्ध) की आपूर्ति कर रही है।

दिनांक 09.08.2024 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3070 के उत्तर के भाग (क) में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

देश भर में महिलाओं में रक्ताल्पता की व्यापकता का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा

(स्रोत: एनएफएचएस-5, 2019-21)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	15-49 वर्ष के आयु की रक्ताल्पता से पीड़ित महिलाओं का (%)
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	57.5
2	आंध्र प्रदेश	58.8
3	अरुणाचल प्रदेश	40.3
4	असम	65.9
5	बिहार	63.5
6	चंडीगढ़	60.3
7	छत्तीसगढ	60.8
8	दिल्ली	49.9
9	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	62.5
10	गोवा	39.0
11	गुजरात	65.0
12	हरियाणा	60.4
13	हिमाचल प्रदेश	53.0
14	जम्मू और कश्मीर	65.9
15	झारखंड	65.3
16	कर्नाटक	47.8
17	केरल	36.3
18	लद्दाख	92.8
19	लक्षद्वीप	25.8
20	मध्य प्रदेश	54.7
21	महाराष्ट्र	54.2
22	मणिपुर	29.4
23	मेघालय	53.8
24	मिजोरम	34.8
25	नगालैंड	28.9
26	ओडिशा	64.3
27	पुदुचेरी	55.1
28	पंजाब	58.7
29	राजस्थान	54.4
30	सिक्किम	42.1
31	तमिलनाडु	53.4
32	तेलंगाना	**57.6**
33	त्रिपुरा	67.2
34	उत्तर प्रदेश	50.4
35	उत्तराखंड	42.6
36	पश्चिम बंगाल	71.4

*****